DATE 11.11.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - रीमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-10 'होगा दूर अँधेरा') शेषभाग-

पुस्तक - नवतरंग - 4

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

अज हम कक्षा चौथी की पुस्तक नवतरंग-4 के पृष्ठ 74 पर दी कविता 'होगा दूर अँधेरा' के शेष भाग को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 11.11.24 को भेजा जा रहा है। सब बच्चे कविता को धीरे-धीरे दो से तीन बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे और याद करेंगे। अब मैं कविता की कुछ पंक्तियाँ पढ़ती हूँ फिर उनका सरलार्थ बताऊँगी।

माँ बोली, हे पुत्र! तुम्हारा,
कोहरा कब है, क्या कर पाया!
उसके झूठे चक्रव्यूह को,
काट सदा तू बाहर आया।

सरलार्थ:-

बच्चो! इस कविता खण्ड में कवि कह रहे हैं कि जब सूरज ने अपनी परेशानी, कष्ट को अपनी माँ को बताया तो सूरज की माँ अपने बेटे को शांत करते हुए बोली, हे पुत्र! क्या कोहरा तुम्हारा कुछ बिगाड़ पाया है! वह तो एक छलावा मात्र है अर्थात् वह एक झूठे चक्रव्यूह में तुम्हें फँसा लेता है। तुम उसके चक्रव्यूह को काटकर सदैव बाहर आ जाते हो। वह तुम्हारे मार्ग में रोड़ा बनकर खड़ा हो जाता है। तुम उसे हरा देते हो।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 11.11.24
PAGE No. 2

कक्षा-चौथी शिक्षिकाएँ- रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-10 'होगा दूर अँधेरा') शेषभाग

बच्चो! कवि कह रहे हैं कि हमें परेशानियों से घबराना नहीं चाहिए। हर व्यक्ति के जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं और थोड़ा अपना प्रभाव छोड़कर चली जाती हैं। इनका डटकर सामना करना चाहिए।

बच्चो! अब मैं कविता का अगला काव्य खण्ड पढ़ूँगी फिर उसका अर्थ बताऊँगी।

कवि, कोविद, जेठे-सयाने सब,
देते सदा उदाहरण तेरा।
कहते हैं सूरज आया तो,
भाग गया है दूर अँधेरा।

सरलार्थ:-

बच्चो! सूरज की माँ उसे समझाकर कहती हैं कि बेटे! कवि, विद्वान, बड़े-बूढ़े और अनुभवी लोग ये सब तेरा हमेशा उदाहरण देकर बात करते हैं और कहते हैं कि देखो, अब सूरज आ गया है। इसके आने से अँधेरा दूर हो जाएगा अर्थात् दुख का प्रतीक अँधेरा समाप्त हो जाएगा। बेटा, तुम तो दिन के राजा हो। राजा के सामने क्या कोई टिक पाया है।

बच्चो! अब मैं कविता के अंतिम भाग को पढ़ती हूँ-

निश्चिंत हो कूद जा रण में,
विजय सदा तेरी ही होगी।
तेरे आगे कोहरे की या
अंधकार की नहीं चलेगी।

प्यारे बच्चो! इन पंक्तियों में सूरज की (पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 11.11.24
PAGE No. 3

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-10 'होगा दूर अँधेरा') शेषभाग

अपने बेटे सूरज से कह रही है कि मेरे प्यारे बेटे! तू इस युद्ध-भूमि में लड़ने के लिए निश्चिंत होकर कूद जा। तेरी सदैव विजय ही होगी। मेरा आशीर्वाद सदा तेरे साथ है। तेरे आगे कोहरा तो क्या अंधकार की भी नहीं चलेगी अर्थात् ये दोनों तेरे आगे टिक नहीं पाएँगे। मैदान छोड़कर भाग जाएँगे।

इस प्रकार से सूरज की माँ ने उसे अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

बच्चो! यह पाठ यहाँ समाप्त हुआ। आशा है यह कविता आपको अच्छे से समझ में आ गई होगी। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ। सब बच्चे यह कार्य अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य:- सब बच्चे पृष्ठ-75 पर दिए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे। इस कविता को उच्च स्वर में बोलकर याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner